**माननीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री की अध्यक्षता में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 04.01.2023 को मंत्रालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित बैठक का कार्यवृत्त**

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की पुनर्गठित हिंदी सलाहकार समिति की दूसरी बैठक श्री आर.के. सिंह, माननीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री की अध्यक्षता में दिनांक 04 जनवरी, 2023 को मंत्रालय के सम्मेलन कक्ष सं. 319, अटल अक्षय ऊर्जा भवन, नई दिल्ली में अपराह्न 3.30 बजे आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित माननीय सदस्यों एवं अधिकारियों की सूची अनुलग्नक में दी गई है।

1. **समिति के सदस्य सचिव, श्री जी उपाध्याय** ने माननीय मंत्री महोदय, समिति के सम्मानित सदस्यगण, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय से आए प्रतिनिधियों, मंत्रालय के उपस्थित अधिकारियों एवं मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन संस्थानों/उपक्रमों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत किया। तत्पश्चात उन्होंने अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए उल्लेख किया कि मंत्रालय की पुनर्गठित हिंदी सलाहकार समिति की यह दूसरी बैठक है। उन्होंने पिछली बैठक के कार्यवृत्त की सर्व सम्मति से पुष्टि करते हुए बैठक के कार्यवृत्त में दिए गए कार्रवाई योग्य बिंदुओं और उन पर अब तक की गई/की जा रही कार्रवाई का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि राजभाषा के प्रचार-प्रसार के संबंध में सरकार की नीति है कि सरकारी कामकाज में हिंदी को प्रेरणा, प्रोत्साहन और सद्भावना से बढ़ाया जाए। इसलिए मंत्रालय द्वारा समय-समय पर प्रोत्साहन देकर व कार्यशालाएं आदि करके कार्मिकों के मन में हिंदी में काम करने की झिझक दूर की जाती है और उन्हें हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप मंत्रालय में हिंदी में कामकाज में तेजी आई है।

**2. सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय** ने माननीय मंत्री महोदय एवं बैठक में उपस्थित सभी सदस्यगण एवं प्रतिनिधियों का अभिनंदन करते हुए मंत्रालय में राजभाषा हिंदी की गतिविधियों और उपलब्धियों का संक्षेप में उल्लेख किया और बताया कि एक वैज्ञानिक मंत्रालय होने के नाते यहां अधिकांश कार्य तकनीकी प्रकृति का होता है, जिसके समाधान के तौर पर मंत्रालय के सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों तथा मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों को यह निदेश दिया गया है कि जहां हिंदी पर्याय की जानकारी न हो या हिंदी का अर्थ समझने में कठिनाई आ रही हो, वहां अंग्रेजी शब्दों को उसी रूप में देवनागरी में लिखा जाए। साथ ही, कार्मिकों के प्रयोग हेतु मंत्रालय की वेबसाइट पर 100 से अधिक ई-सरल वाक्य डाले गए हैं। पिछली बैठक में माननीय सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय की योजनाओं की जानकारी देने के लिए वेबसाइट पर टोलफ्री नंबर 1800 180 3333 उपलब्ध कराया गया है, मंत्रालय के पत्र-शीर्ष पर आजादी का अमृत महोत्सव का लोगो हिंदी में भी छपवाया गया है और मंत्रालय के नए भवन “अटल अक्षय ऊर्जा भवन” के पुस्तकालय में मंत्रालय के अधिकारियों व कर्मचारियों के उपयोग हेतु 3000 से अधिक हिंदी पुस्तकें एवं शब्दावलियां रखी गई हैं। साथ ही उन्होंने मंत्रालय में चलाई जा रही प्रोत्साहन योजनाओं एवं हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान प्रदान किए गए पुरस्कारों का उल्लेख करते हुए समिति को

बताया कि मंत्रालय माननीय सदस्यों द्वारा दिए गए व्यावहारिक सुझावों को ध्यान में रखते हुए सदैव हिंदी में काम करने के लिए तत्पर है।

3. **उप निदेशक (राजभाषा)** ने समिति के समक्ष पिछली बैठक से लेकर अब तक मंत्रालय में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन के क्षेत्र में हुई प्रगति एवं गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा पावर प्वाइंट प्रस्तुती के माध्यम से रखते हुए समिति को अवगत कराया कि मंत्रालय में राजभाषा अधिनियम एवं नियमों का पूर्ण रूप से अनुपालन किया जा रहा है। भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए जांच बिंदु निर्धारित किए गए हैं और सदैव यही प्रयास रहता है कि किसी भी स्तर पर इनका उल्लंघन न हो। मंत्रालय में हिंदी पत्राचार की स्थिति पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि समिति की पिछली बैठक के मुकाबले "क", "ख" और "ग", तीनों क्षेत्रों में हिंदी पत्राचार और हिंदी में टिप्पणियों के प्रतिशत में वृद्धि हुई है। हिंदी में अधिकाधिक कामकाज करने वाले कार्मिकों और हिंदी पखवाड़ा प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद राशि के अलावा सचिव महोदय के कर कमलों से प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। तत्पश्चात उन्होंने मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन संस्थानों एवं उपक्रमों को उनके कार्यालयों की राजभाषा गतिविधियों पर प्रकाश डालने के लिए आमंत्रित किया।

4. **भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक** ने बताया कि उनके कार्यालय में राजभाषा हिंदी की प्रगति के लिए राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम और मंत्रालय द्वारा इस संबंध में जारी अनुदेशों का पूर्ण पालन किया जा रहा है। इरेडा में हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ, राजभाषा विभाग द्वारा जारी अनुदेशों का अनुसरण करते हुए सूरत, गुजरात में 14 सितंबर, 2022 को आयोजित किए गए हिंदी दिवस समारोह से किया गया। हिंदी पखवाड़ा के समापन के अवसर पर इरेडा की ई-पत्रिका अक्षय क्रांति का विमोचन किया गया। ई-पत्रिका में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में लेख शामिल किए गए थे। इसके अलावा, मासिक ओडिसी पत्रिका का हिंदी और अंग्रेजी में द्विभाषी प्रकाशन भी किया जाता है। कंप्यूटर पर सभी आवेदनों के वर्कफ्लो का द्विभाषीकरण तथा प्रेषण प्रणाली का पूर्ण रूप से हिंदी में कंप्यूट्रीकरण किया गया है। उन्होंने बताया कि उनके कार्यालय में हिंदी में प्रशिक्षण का 100% लक्ष्य पूरा कर लिया गया है और अन्य लक्ष्यों को भी निश्चय ही पूरा कर लिया जाएगा।

5. **सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) की प्रबंध निदेशक** ने राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन की प्रगति का संक्षिप्त ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कहा कि उनके कार्यालय में राजभाषा अधिनियम एवं राजभाषा नियमों की पूर्ण अनुपालना की जा रही है और सभी लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में प्रयासरत रहते हुए निरंतर आगे बढ़ने का प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में हिंदीतर भाषी कार्मिकों को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके अलावा, नराकास, दिल्ली-2 द्वारा सेकी को शील्ड पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया है। अंत में उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सेकी में राजभाषा हिंदी से संबंधित सभी आदेशों/निर्देशों का निरंतर अनुपालन करते हुए राजभाषा विभाग द्वारा जारी लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया जाएगा।

6. **राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (नाइस) के महानिदेशक** ने संस्थान में राजभाषा हिंदी की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए समिति को बताया कि उनके संस्थान में हिंदी सलाहकार समिति

की बैठक में दिए गए सुझावों का अनुपालन सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने बताया कि मंत्रालय द्वारा संस्थान की विगत तीन तिमाहियों की समीक्षा में संस्थान द्वारा हिंदी में किए गए कार्यों की सराहना की गई। संस्थान में हिंदी पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा, संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक आयोजित की जा रही हैं और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, गुरुग्राम की सभी बैठकों नियमित रूप से भाग लिया जा रहा है।

7. **सरदार स्वर्ण सिंह राष्ट्रीय जैव ऊर्जा संस्थान (नीबे) के महानिदेशक** ने अपने संस्थान में राजभाषा हिंदी की गतिविधियों का ब्यौरा देते हुए बताया कि संस्थान में जैव ऊर्जा से संबंधित कार्य होता है। साथ ही, उन्होंने बताया कि उनका संस्थान "ख" क्षेत्र में आता है और राजभाषा अधिनियम और राजभाषा नियमों का सतत अनुपालन किया जा रहा है। संस्थान ने राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में एक परिपत्र जारी करके सभी को यह निदेश दिया है कि हिंदी भाषा के किसी शब्द को बोलने या समझने में कठिनाई हो तो अंग्रेजी शब्द को उसी रूप में हिंदी की देवनागरी लिपि में लिखा जा सकता है। उन्होंने राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के दिशा में निरंतर प्रयासरत रहने का आश्वासन दिया।

8. **राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (नीवे) के महानिदेशक** ने अवगत कराया कि उनका संस्थान "ग" क्षेत्र में आता है और राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) और राजभाषा नियम 5 का शत-प्रतिशत अनुपालन किया जाता है। उन्होंने बताया कि संस्थान ने हिंदी में टिप्पणियां लिखने के लिए राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। संस्थान में अधिकांश अधिकारी/कर्मचारी हिंदीतर भाषी होने के कारण सभी को दैनिक कार्यों में उपयोग होने वाले वाक्य/शब्द/टिप्पणियां आदि उपलब्ध कराए गए हैं और सभी आवश्यकता के अनुसार उनका प्रयोग कर रहे हैं। साथ ही, राजभाषा आदेशों की अनुपालना पर नजर रखने के लिए जांच बिंदु समिति बनाई गई है, जिसकी हर 6 माह में बैठक होती है और हिंदीतर भाषी कार्मिकों के लिए वार्तालाप कौशल का निर्माण करने के लिए वार्तालाप कक्षाएं चलाई जा रही हैं। अंत में महानिदेशक (नीवे) ने बताया कि उनका पूरा प्रयास है कि नीबे के अधिक से अधिक कार्मिक हिंदी ज्ञान हासिल कर सकें और अपना अधिकाधिक काम हिंदी में कर सकें।

9. **माननीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री** ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमारे सभी संस्थान बिल्कुल तकनीकी काम करते हैं, इसके बावजूद हिंदी में इतना अच्छा काम कर रहे हैं और कार्मिकों को हिंदी में काम करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कार भी दिए जा रहे हैं, जो सराहनीय है। चर्चा के दौरान उन्होंने मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि **हिंदी पखवाड़ा के आयोजन के दौरान समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को भी आवश्यकता के अनुसार आमंत्रित करें, जहां उनकी भागीदारी रहेगी तो वे देख भी लेंगे कि संबंधित संस्थान में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए क्या-क्या कार्य किए जा रहे हैं। सदस्यगण अपनी सुविधा के अनुसार भाग ले सकते हैं।**

तत्पश्चात माननीय सदस्यों से हिंदी के प्रगामी प्रयोग हेतु सुझाव देने का आग्रह किया।

10. **श्री पंकज दीवान, गैर-सरकारी सदस्य** ने हिंदी सलाहकार समिति की बैठकों के नियमित आयोजन के लिए मंत्रालय की सराहना करते हुए माननीय मंत्री महोदय का आभार प्रकट किया और कहा कि निस्संदेह मंत्रालय में राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ा है और मंत्रालय तथा नियंत्रणाधीन कार्यालयों में हिंदी में सराहनीय कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री ने अमृतकाल के पंच-प्रण का आह्वान किया था, जिनमें पहला प्रण- एक बहुत बड़े संकल्प को लेकर चलना; दूसरा प्रण- गुलामी के अंश को त्यागना; तीसरा प्रण- अपनी विरासत पर गर्व करना; चौथा प्रण- एकता और एकजुटता रखना; और पांचवां प्रण- नागरिकों का कर्त्तव्य याद रखना शामिल है। इसे हिंदी के प्रचार-प्रसार से भी जोड़ कर देखा जाना चाहिए। अपने सुझावों में **उन्होंने सभी को ईमेल पर आजादी का अमृत महोत्सव आदि लोगो हिंदी में भी रखने, मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों द्वारा मंत्रालय को तथा मंत्रालय द्वारा कार्यालयों को अधिक से अधिक पत्राचार हिंदी में किए जाने, मंत्रालय की राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा राजभाषा पुरस्कार योजना को पुन: लागू करने, "ख" और "ग" क्षेत्रों का भी राजभाषायी निरीक्षण करने, मंत्रालय की नई हिंदी शब्दावली बनाने के लिए एक समिति गठित करने का उल्लेख किया।**

11. **श्री शिव कुमार मदान, गैर-सरकारी सदस्य** ने कहा कि मंत्रालय में हिंदी में सराहनीय कामकाज हो रहा है। इसके लिए मैं मंत्रालय की सराहना करता हूं। उन्होंने सुझाव दिया की **सभी हिंदी में हस्ताक्षर करें**।

12. **श्री वी.के. अग्रवाल, गैर-सरकारी सदस्य** ने कहा कि मंत्रालय में राजभाषा हिंदी में सराहनीय काम किया जा रहा है। उन्होंने अपने सुझावों में **सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को हिंदी में हस्ताक्षर करने; सभी कार्यालयों द्वारा राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले 14 दस्तावेजों को द्विभाषी जारी करने; सभी पांचों कार्यालयों में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की जांच के लिए जांच बिंदु निर्धारित करने; और ऊर्जा से संबंधित शोध पत्र हिंदी में पढ़ने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित करने पर बल दिया।**

**13. श्री नरेन्द्र दीपक, गैर-सरकारी सदस्य** ने कहा कि जिस प्रकार से पानी ऊपर से नीचे की ओर बहता है, ठीक उसी प्रकार से मंत्रालय और उसके नियंत्रणाधीन कार्यालयों के उच्च स्तर के अधिकारी यदि हिन्दी में लिखेंगे तो नीचे के स्तर पर अधिकारी/कर्मचारी भी आवश्य ही हिन्दी में काम करेंगे। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि पूरी कार्यसूची टिप्पणी और विवरण पढ़ने के बाद यह नतीजा निकाला जा सकता है कि मंत्रालय में हिन्दी में सराहनीय कार्य हो रहा है। साथ ही, सुझाव भी दिया कि **उच्च स्तर पर अधिकारी हिन्दी में टिप्पणियाँ लिखें और सभी कार्यालयों में अधिक नहीं तो वर्ष में कम से कम एक हिन्दी गृह पत्रिका निकालने पर तो अवश्य ही विचार किया जाए।**

14. **श्री ऋषि कुमार, गैर-सरकारी सदस्य** ने कहा कि **अधिकारियों द्वारा अन्य निरीक्षण करते समय राजभाषायी निरीक्षण भी किया जाए और अपनी निरीक्षण रिपोर्ट में उसका उल्लेख करें। साथ ही यह उल्लेख भी करें कि कितने कार्मिक हिंदी में कार्यसाधन ज्ञान प्राप्त तथा प्रवीणता प्राप्त हैं। उन्होंने शब्दकोश बनाने के संबंध में सुझाव दिया कि सभी कार्यालयों/प्रभागों से अक्षय ऊर्जा में प्रयोग होने वाले शब्दों की सूची मांगी जाए, जिनका हिंदी विशेषज्ञों द्वारा अनुवाद किया जा सकता है या सदस्यों को सूची उपलब्ध कराई जा सकती है, जो उनके उचित पर्याय सुझा सकते हैं।**

15. **श्री यतीन्द्र नाथ चतुर्वेदी, गैर-सरकारी सदस्य** ने कहा कि मंत्रालय द्वारा नागरिकों के लिए अपनी योजनाओं से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए टोलफ्री हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध कराया गया है, जो कि स्वागत योग्य है। उन्होंने **हिंदी से जुड़े निर्णयों/गतिविधियों के लिए हिंदी सलाहकार समिति को जानकारी देना/सलाह लेना; शब्दावली निर्माण के लिए सलाहकार समिति के सदस्यों का सहयोग लेने; हिंदी के विकास के लिए नए-नए राजभाषा साहित्य की पुस्तकों की खरीद करते रहने; राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा राजभाषा पुरस्कार योजना को बहाल करने; सभी संस्थानों द्वारा हिंदी पत्रिका के लिए हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों से भी लेख आमंत्रित करने; गैर-सरकारी सदस्यों को परिचय पत्र जारी करने पर विचार करने; मंत्रालय की वेबसाइट पर हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों का विवरण डालने; अध्येतावृत्ति (फैलोशिप) शुरू करने पर विचार करना; सूचनाओं व फार्मों को हिंदी में भी उपलब्ध कराने; हिंदी में वेबसाइट का रखरखाव करने आदि से संबंधित सुझाव दिए।**

16. **डॉ. जी.एल. महाजन, गैर-सरकारी सदस्य** से सुझाव प्राप्त हुआ कि नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन, नेशनल हाइड्रो पावर कॉर्पोरेशन, सतलुज जल विद्युत निगम, टिहरी हाइड्रो डेवलपमैंट कॉर्पोरेशन आदि ऊर्जा मंत्रालय से संबंधित उन सभी उपक्रमों के मैनेजिंग डायरेक्टर्स को मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में सम्मिलित किया जाए, जिनके उपक्रम सौर ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करते हैं। *इस संबंध में मंत्रालय द्वारा माननीय सदस्य को यह अवगत करा दिया गया कि ये उपक्रम नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रशासनिक नियंत्रण में नहीं आते। ये उपक्रम पहले से ही विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति में शामिल हैं।*

17. चर्चा के अंत में **सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने** सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों पर मंत्रालय के स्तर पर आवश्यक निर्णय लेने/कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। उन्होंने सभी अधिकारियों को भी कहा कि जितने भी सुझाव आए हैं, सभी उन पर गौर करें और अपने-अपने संस्थानों और मंत्रालय में प्रभागों (डिवीजन) में इन पर गंभीरता से उपाय करते हुए इनका पालन करें। मंत्रालय के स्तर भी हम इनकी समय-समय पर समीक्षा करते रहेंगे और इन पर उचित कार्रवाई करेंगे। उन्होंने आशा व्यक्त की कि निश्चय ही इन सुझावों से मंत्रालय में राजभाषा कार्यान्वयन की गति को बल मिलेगा।

18. बैठक के अंत में मंत्रालय के हिंदी अनुभाग के उप-प्रभारी ने अध्यक्ष महोदय, समिति के सम्मानित सदस्यगण, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय से आए प्रतिनिधियों, मंत्रालय के उपस्थित अधिकारियों एवं मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन संस्थानों/उपक्रमों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों का हार्दिक आभार और धन्यवाद किया। आभार प्रदर्शन के बाद अध्यक्ष महोदय की अनुमति से बैठक संपन्न हुई।

**माननीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री की अध्यक्षता में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 04.01.2023 को मंत्रालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित बैठक के कार्यवृत्त पर कार्रवाई योग्य बिंदु**

1. माननीय मंत्री महोदय की अपेक्षानुसार, मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों द्वारा हिंदी पखवाड़ा के दौरान समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को भी आवश्यकता के अनुसार आमंत्रित करना।

**(कार्रवाई : इरेडा/सेकी/नाइस/नीबे/नीवे)**

2. मंत्रालय और नियंत्रणाधीन कार्यालयों में सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा अपने ईमेल पर आजादी का अमृत महोत्सव आदि लोगो हिंदी में भी रखना।

**(कार्रवाई : मंत्रालय/नियंत्रणाधीन कार्यालयों में सभी अधिकारी/कर्मचारी)**

3. मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों द्वारा मंत्रालय को तथा मंत्रालय द्वारा कार्यालयों को अधिक से अधिक पत्राचार हिंदी में करना।

**(कार्रवाई : मंत्रालय/नियंत्रणाधीन कार्यालयों में सभी अधिकारी/कर्मचारी)**

4. मंत्रालय की राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा राजभाषा पुरस्कार योजना को पुन: लागू करने की संभावनाओं पर विचार करना।

**(कार्रवाई : प्रशासन-I)**

5. "ख" और "ग" क्षेत्रों में स्थित कार्यालयों (नीबे/नीवे) का भी राजभाषायी निरीक्षण करना और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किए जाने वाले अन्य निरीक्षणों के साथ-साथ राजभाषायी निरीक्षण को भी शामिल करना तथा रिपोर्ट में यह उल्लेख भी करना कि कितने कार्मिक हिंदी में कार्यसाधन ज्ञान प्राप्त तथा प्रवीणता प्राप्त हैं।

**(कार्रवाई : हिंदी अनुभाग/ एवं मंत्रालय/नियंत्रणाधीन कार्यालयों में वरिष्ठ अधिकारी)**

6. मंत्रालय का नया हिंदी शब्दकोश बनाने पर विचार करना, सभी कार्यालयों/प्रभागों से अक्षय ऊर्जा के संबंध में प्रयोग होने वाले अंग्रेजी शब्दों की सूची प्राप्त कर उनका हिंदी पर्याय तैयार करना और इसके लिए आवश्यकतानुसार हिंदी सलाहकार समिति के गैर-सरकारी सदस्यों का सहयोग लेना।

**(कार्रवाई : हिंदी अनुभाग एवं मंत्रालय के सभी तकनीकी प्रभाग/नियंत्रणाधीन कार्यालय)**

7. सभी अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा हिंदी में हस्ताक्षर करना और नोटिंग हिंदी में लिखना।

**(कार्रवाई : मंत्रालय/नियंत्रणाधीन कार्यालयों में सभी अधिकारी/कर्मचारी)**

8. सभी कार्यालयों द्वारा राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले 14 दस्तावेजों को द्विभाषी जारी करना और राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग की जांच के लिए जांच बिंदु निर्धारित करना।

**(कार्रवाई : इरेडा/सेकी/नाइस/नीबे/नीवे)**

9. ऊर्जा से संबंधित शोध पत्र हिंदी में पढ़ने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित करना।

**(कार्रवाई : मंत्रालय/नियंत्रणाधीन कार्यालयों में कार्यरत सभी वैज्ञानिक)**

10. जिन कार्यालयों में हिंदी गृह पत्रिका का प्रकाशन नहीं हो रहा, वहां वर्ष में कम से कम एक पत्रिका अवश्य निकालने पर विचार करना और हिंदी पत्रिका के लिए हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों से भी लेख आमंत्रित करना।

**(कार्रवाई : इरेडा/सेकी/नाइस/नीबे/नीवे)**

11. हिंदी से जुड़े निर्णयों/गतिविधियों के संबंध में हिंदी सलाहकार समिति को जानकारी देना/ आवश्यकतानुसार सलाह लेना।

**(कार्रवाई : हिंदी अनुभाग एवं इरेडा/सेकी/नाइस/नीबे/नीवे)**

12. हिंदी के विकास के लिए नए-नए राजभाषा साहित्य की पुस्तकों की खरीद करते रहना।

**(कार्रवाई : पुस्तकालय)**

13. गैर-सरकारी सदस्यों को परिचय पत्र जारी करने पर विचार करना।

**(कार्रवाई : हिंदी अनुभाग/प्रशासन-II)**

14. मंत्रालय की वेबसाइट पर हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों का विवरण डालना।

**(कार्रवाई : हिंदी अनुभाग)**

15. अध्येतावृत्ति (फैलोशिप) शुरू करने पर विचार करना।

**(कार्रवाई : एचआरडी प्रभाग)**

16. सूचनाओं व फार्मों को हिंदी में भी उपलब्ध कराना।

**(कार्रवाई : सभी अनुभाग/ हिंदी अनुभाग)**

17. हिंदी वेबसाइट का रखरखाव करना।

**(कार्रवाई : सभी अनुभाग/आईटी-एनआईसी/ हिंदी अनुभाग)**

**माननीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री की अध्यक्षता में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की दिनांक 04.01.2023 को मंत्रालय के सम्मेलन कक्ष में आयोजित बैठक में उपस्थित माननीय सदस्य एवं अन्य अधिकारी**

**श्री आर.के. सिंह, माननीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री अध्यक्ष**

1. श्री पंकज दीवान, गैर-सरकारी सदस्य
2. श्री शिव कुमार मदान, गैर-सरकारी सदस्य
3. श्री वी.के. अग्रवाल, गैर-सरकारी सदस्य
4. श्री नरेन्द्र दीपक, गैर-सरकारी सदस्य
5. श्री ऋषि कुमार, गैर-सरकारी सदस्य
6. श्री यतीन्द्र नाथ चतुर्वेदी, गैर-सरकारी सदस्य
7. श्री भूपिन्दर सिंह भल्ला, सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
8. श्री ललित बोहरा, संयुक्त सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
9. श्री अजय यादव, संयुक्त सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
10. श्री पंकज सक्सेना, वैज्ञानिक-जी, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
11. श्री ए.के. त्रिपाठी, वैज्ञानिक-जी, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
12. श्री जे. राजेश कुमार, आर्थिक सलाहकार, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
13. सुश्री मिनी प्रसन्ना कुमार, उप महानिदेशक, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
14. श्री प्रदीप कुमार दास, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इरेडा
15. सुश्री सुमन शर्मा, प्रबंध निदेशक, सेकी
16. श्री प्रदीप कुमार दास, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, इरेडा
17. श्री डॉ. राजेश कात्याल, महानिदेशक, नीवे
18. श्री डॉ. जी. श्रीधर, महानिदेशक, नीबे
19. श्री जी उपाध्याय, वैज्ञानिक-जी एवं सदस्य सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
20. श्री शिब दास सरकार, उप सचिव, राजभाषा विभाग से प्रतिनिधि
21. श्री रघुबीर शर्मा, सहायक निदेशक, राजभाषा विभाग से प्रतिनिधि
22. श्री बी.के. पाण्डा, वैज्ञानिक 'एफ', नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
23. डॉ. जय प्रकाश, उप महानिदेशक, नाइस
24. श्री साजी अब्राहम, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
25. श्री अनुज महाजन, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
26. श्री अनन्त कुमार, निदेशक, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
27. श्री असीम कुमार दास, निदेशक, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
28. श्री अरुण कुमार, निदेशक, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
29. श्री कैलाश चन्द्र, उप सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
30. श्री अनुराग शर्मा, उप सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
31. श्री एस.के. शाही, वैज्ञानिक 'डी', नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
32. श्री एस.आर. मीना, वैज्ञानिक 'डी', नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
33. श्री हिरेन चन्द्र बोराह, वैज्ञानिक 'डी', नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
34. श्री प्रबीर कुमार दास, वैज्ञानिक 'डी', नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
35. श्री आर. गिरिराजन, अपर निदेशक, नीवे
36. डॉ. आशीष बोहरे, वैज्ञानिक 'डी', नीबे
37. श्री संदीप सहरावत, उप निदेशक (प्रशा.), नाइस
38. श्री नन्दन सिंह दुग्ताल, उप निदेशक (राजभाषा), नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
39. श्री परमानन्द, सहायक निदेशक (राजभाषा), नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
40. सुश्री संगीता श्रीवास्तव, मुख्य प्रबंधक (राजभाषा), इरेडा
41. सुश्री वत्सला सिन्हा, अधिकारी (राजभाषा), सेकी